अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर विशेष

रुको, ठहरो और सुना
हमारी शक्ति की आवाज़
हृदय की मौन पुकार
हम सक्षम हैं, सक्षम हैं, सक्षम हैं।

कोटि-कोटि हाथों की ताकत में
जोड़ दो अपनी ताकत
आने दो ज्वार बदलाव का
बढ़ती चली, आगे
नये वक्त, नयी जगह
अपने ही बनाए नये युग की ओर।

खिलने दो क्रोध के फूल
बिखरने दो अंगारे
कुचल दो सख्ती से उस अन्याय को
भोगती आई है जिसे सब औरतें
और दलित वर्ग सारे

-नारी सभा

बहनो आओ! साथियो आओ!
आगे बढ़ो!! आगे बढ़ो!!
एक लम्बी और कठिन यात्रा पर
रवानगी के लिए जागो!

यात्रा हज़ारों मील लम्बी है
पर हर लम्बी यात्रा की शुरुआत
एक छोटे से कदम से ही होती है।

उठो और एकता कायम करो!
एकता कायम करो
और संगठित हो जाओ!
संगठित हो जाओ और संघर्ष करो!
संघर्ष करो और
दस्तक दो मुक्ति के द्वार पर!
शक्ति और ताप भरे अनगिनत हाथों से
एक साथ! एक साथ!! एक साथ!!!

-नारी सभा